



॥ श्री कार्तिकेय जी ॥

कार्तिकेय जी का स्मरण मन में साहस,
बुद्धि और आत्मविश्वास जगाता है।

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कार्तिकेय जी ॥

श्री कार्तिकेय जी

श्री कार्तिकेय जी हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक हैं, जिन्हें स्कंद, मुरुगन, सुब्रह्मण्य, और कुमार नामों से भी जाना जाता है। वे युद्ध, वीरता, ज्ञान और युवा शक्ति के देवता माने जाते हैं, तथा विशेष रूप से दक्षिण भारत, श्रीलंका और तमिल परंपरा में अत्यंत पूजनीय हैं।

उत्पत्ति और स्वरूप

पुराणों के अनुसार, कार्तिकेय भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र हैं तथा भगवान गणेश के भ्राता माने जाते हैं। उनका जन्म देवताओं की सहायता के लिए असुर तारकासुर के वध हेतु हुआ था; इसी कारण उन्हें देवसेना के सेनापति के रूप में भी जाना जाता है। पारंपरिक चित्रणों में वे युवा, तेजस्वी और दिव्य योद्धा के रूप में दिखाई देते हैं, जिनका वाहन मोर और मुख्य आयुध वलयाकार शक्ति भाला (वेल) होता है।

विभिन्न नाम और क्षेत्रीय परंपराएँ

उत्तर भारत में उन्हें अधिकतर कार्तिकेय या स्कंद कहा जाता है, जबकि तमिल परंपरा में मुरुगन नाम अत्यंत लोकप्रिय है। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में सुब्रह्मण्य नाम से कई प्राचीन मंदिर प्रसिद्ध हैं। तमिल भक्ति साहित्य में मुरुगन को सौंदर्य, ज्ञान और वीरता के प्रतीक देवता के रूप में वर्णित किया गया है, और उनके छह प्रमुख धामों (आरुपडै वी᳚᳚) का विशेष धार्मिक महत्व है।

प्रतीक और आध्यात्मिक महत्व

कार्तिकेय का मोर अहंकार और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय का प्रतीक माना जाता है, जबकि उनका वेल अज्ञान को नष्ट करने वाले दिव्य ज्ञान का संकेत देता है। वे अनुशासन, साहस, आत्मबल और धर्म की रक्षा से जुड़े देवता हैं। अनेक भक्त उन्हें युवा ऊर्जा, नेतृत्व क्षमता और आध्यात्मिक प्रगति के प्रेरक रूप में पूजते हैं।

